प्री–बोर्ड परीक्षा–2023–24 (I)

विषय– हिन्दी

पूर्णांक 80

कक्षा 10

खण्ड अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये–

रोटी के लिए प्रत्येक मनुष्य को श्रम करना चाहिए। शरीर को झुकाना चाहिए, यह ईश्वर का कानून है। भगवद्गीता में कहा गया है कि यज्ञ किए बिना जो खाता है वह चोरी का अन्न खाता है। यहाँ यज्ञ का अर्थ स्वयं की मेहनत या पसीने की कमाई से है। जो श्रम नहीं करता उसे खाने का क्या हक है? जो आदमी अपना एक मिनट भी बेकारी में बिताता है वह अपने पड़ोसियों पर बोझ बनता है ऐसा करना अहिंसा के पहले नियम का उल्लंघन करना है। अहिंसा यदि अपने पड़ौसी के हित का ध्यान रखना न हो तो उसका कोई अर्थ ही न रहें। आलसी आदमी अहिंसा की प्रारम्भिक कसौटी में खोटा सिद्ध होता है। बुद्धि भी हमें इसी ओर ले जाती है, जो श्रम नहीं करता है उसे खाने का क्या हक है। बाईबिल कहती है अपनी रोटी तू पसीना बहाकर कमा और खा। करोड़पति भी अगर अपने पलंग पर लेटा रहे और उसके मुँह में कोई खाना डाल दे तो वह अधिक समय तक खा नहीं सकेगा। इसमें उसको मजा भी नहीं आयेगा। इसलिए यह कसरत बगैरा करके भूख पैदा करता है। अगर यों किसी न किसी रूप में अंगों की कसरत करनी ही पड़ती है तो रोटी पैदा करने की कसरत ही सब क्यों न करें। किसान को हवाखोरी और कसरत करने के लिए कोई कहता नहीं। वह प्रकृति के सबसे करीब है। दुनिया के 90 फीसदी लोगो का निर्वाह खेती पर होता है। शेष 10 फीसदी लोग अगर इनकी नकल करें तो जगत में कितना सुख कितनी शान्ति और कितना आरोग्य फैल जाये। खेती के साथ बुद्धि भी मिले तो बहुत सी मुसीबते आसान हो जायेगी। शरीर श्रम के निरपवाद कानून को सब माने तो ऊँच–नीच का भेद ही मिट जायेगा। यदि श्रम की कमाई सभी खाये तो विश्व में अन्न की कमी नहीं रहेगी। तब न किसी को कोई बीमारी सताएगी न किसी मुसीबत का सामना करना पड़ेगा। यह श्रम उच्च से उच्च प्रकार का यज्ञ होगा तब हम जीने के लिए खाएँगे न कि खाने के लिए जीएँगे।

क. शरीर को झुकाने से लेखक का क्या अभिप्राय है? 02

ख. शरीर की तुलना यज्ञ से की गई है। क्यों? 02

ग. श्रम से व्यक्ति को क्या–क्या लाभ हो सकते हैं? 01

घ. आलसी आदमी अहिंसा की कसौटी में खोटा सिद्ध होता है। इस कथन को सिद्ध कीजिए। 01

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । 01

2. किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबन्ध रचना का कार्य कीजिए– 08

क. प्रदूषण की समस्या – 1. प्रस्तावना 2. प्रदूषण के प्रकार 3. प्रदूषण के कारण 4. प्रदूषण रोकने के उपाय

ख. हमारी राष्ट्रीय एकता– 1. प्रस्तावना 2. राष्ट्रीय एकता की सांस्कृतिक विरासत

3. राष्ट्रीय एकता का वर्तमान स्वरूप 4. राष्ट्रीय एकता और हमारा कर्तव्य।

3. अपनी क्षेत्र की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए। 04

अथवा

निकटवर्ती किसी पर्यटन स्थल के एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु अपनी कक्षा के विद्यार्थियों की ओर से अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए।

4. क. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पद छाँटकर क्रिया का भेद बताइये–

1. बालिका जोर–जोर से रो रही है। 2. मैं फुटबॉल खेलता हूँ? 02

ख. यथा निर्देश उत्तर लिखिए– 02

1. मैने उसे समझाया किन्तु वह नहीं माना। (समुच्चयबोधक शब्द बताइये)

2. छात्र ध्यानपूर्वक पढ़ते हैं। (क्रिया विशेषण छाँटिए)

ग. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए – 02

1. वह कल विद्यालय नहीं गया। (प्रश्नवाचक में बदलिए)

2. जो लोग परिश्रम करते हैं, उन्हें अधिक समय तक निराश नहीं होना पड़ता है।(सरल वाक्य)

घ. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए– 02

1. वह चुपचाप नहीं बैठ सकता । (भाववाच्य में) 2. बालक क्रिकेट खेलता है (कर्मवाच्य में)

ङ. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो समानार्थक शब्द लिखिए – 1. विधि 2. हरि 02

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे सम्बन्धित किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 04

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद–नंदन उर, यह दृढ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि,
कान्ह–कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सू तौ व्याधि हमकौं ले आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मनचकरी।।

क. श्री कृष्ण को हारिल मानने में क्या भाव निहित है?

ख. योग की बातें गोपियों को कैसे प्रतीत होती है?

ग. श्री कृष्ण के प्रति गोपियों ने अपना अनन्य प्रेम कैसे अभिव्यक्त किया?

6. निम्नलिखित में किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 04

क. उद्धव द्वारा दिये गये योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया?

https://www.ukboardonline.com

ख. रामचरितमानस के विषय में आप क्या जानते हैं?

ग. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएं बताई हैं?

7. क. साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए। 01

ख. उद्धव के व्यवहार की तुलना किससे की गई है? 01

8. निम्न लिखित गद्यांश को पढ़कर उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 04

बालगोबिन भगत की मौत उनकी के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा स्नान करने जाते। स्नान पर इतनी आस्था नहीं रखते जितना संत समागम और लोकदर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब 30 कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक? और गृहस्थ किसी से भीक्षा क्यों मांगे? अतः घर से खाकर चलते, तो फिर घर ही लोटकर खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते जहां प्यास लगती, वहां पानी पी लेते। चार पाँच दिन आने–जाने में लगते; किन्तु इस लम्बे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किन्तु टेक वहीं जवानी वाली।

क. भगत जी प्रतिवर्ष गंगा स्नान पर क्यों जाते थें?

ख. यात्रा पर बालगाबिन न तो संबल रखते थें न ही भीक्षा लेते थे। ऐसा क्यों?

9. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 04

क. बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन–किन रूपों में प्रकट हुई थी?

ख. नेताजी का चश्मा कहानी से प्राप्त सन्देश को स्पष्ट कीजिए।

ग. "बार–बार सोचते क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर गृहस्थी जवानी–जिंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने बिकने के मौके ढूँढती है"। उक्त कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

10. क. सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थें? 02

ख. लेखिका के पिता ने रसोई को भटियार खाना कहकर क्यों पुकारा है? 01

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 06

क. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता था?

ख. प्राकृतिक सौन्दर्य के आलौकिक आनन्द में डूबी लेखिका को कौन–कौन से दृश्य झंकझोर गये।

ग. गंतोक में कतार में लगी श्वेत व रंगीन पताकाएँ किस बात का प्रतीक है?

12. अधोलिखतं गद्यांशं पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– 06

चन्द्रगुप्त मगध्देशस्य नृपः आसीत्। तस्य मंत्री चाणक्यः आसीत्। तपोधनः सः राजतंत्रस्य ज्ञाता आसीत्। सः एकस्मिन उटजे निवासिक रमः । सः वैराग्य–भावनया पूर्णः आसीत्। नृपः एकवारं चाणक्याय कम्बलानि निर्धनेभ्यः दातुं नृपः सचितवान्। चाणक्यस उटंज नगराद् वहिः आसीत्। केवल चौराः कम्बलानि अपहतु चिन्तिवन्तः। ते एकदा रात्री चाणक्यस्य उटज प्रविष्टवन्तः। तस्मिन् समये मध्यरात्रिः शैत्यकालः व आसीत्। तदा अपि चाणक्यः कटे सुप्तः आसीत्। तस्य पार्श्वे कम्बलानि आसन्। चौराः आश्चर्यं प्रकटितवन्तः यत् सः जन कम्बल विना शयनं करोति।

क. चाणक्यं कः आसीत्? ख. नृपः एकबारं चाणक्यं किं सूचितवान्?

ग. चाणक्यस्य उटजं कुत्र आसीत्? घ– चौराः कदा उटजं प्रतिष्टवन्त?

13. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तारत– 04

जाडयं धियोहरित सिञ्चति वाचि सत्यं
मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति ।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं
सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम।।

क. सत्संगतिः किं सिंचति? ख. कम् अपाकरोति सत्संगति. ? ग. सत्संगतिः मानोन्नतिं किं करोति ?

14. पठित पाठाधारितान् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– 06

क. 'सत्संगतिः' इति शब्दस्य कः अर्थः ? ख. मानव जीवने सत्संगतेः के लाभाः सन्ति?

ग. कूपः किमर्थं दुःखम् अनुभवति?

15. रिक्त स्थानानि पूरयत– (निर्मलम, अभिष्ठम, दूरीकरोति, सुखः) 02

क. दुःखं विना नैव .....बोधः। ख. अखिलम् ..... पूरयति।

ग. येषां हृदयं ..... भवति। घ. सत्संगति औषधवत् दुर्गुणान् .....

16. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देश केवल चत्वारि प्रश्नान् उत्तारत– 04

क. सन्धि कुरूत– सज्चे + अनम् , पो + इत्रः ।

ख. सन्धि विच्छेदं कुरूत – शिवोऽवर्य, चयनम्

ग. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए–प्रत्यक्षम्, दुर्गणः

घ. रिक्त स्थानं पूरयत–

1– बालकः ..... क्रिडति। (कन्दुकात्/कन्दुकेन) 2– पिता ..... सह आगतः (पुत्रस्य/पुत्रेण)

ङ– समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत–

1– धनहीनः 2– चक्रपाणिः

17. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम वाक्यानां निर्माणं कुरूत– 02

पुस्तकम् , क्रीड़ामि, वृक्षा : , यत्र , ह्यः, त्वम्

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरूत।

क– मैं कल प्रयाग जाऊगां ख– लता ने गीत गाया। ग– बालक विद्यालय जाते हैं।

https://www.ukboardonline.com